भारतीय स्टार्टअप भविष्य की चिप बनाने में जुटे

आइटी राज्यमंत्री राजीव चंद्रशेखर ने कहा- 2023 के अंत तक सेमीकंडक्टर से जुड़े 50 स्टार्टअप होंगे

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली: जटिलता से भरे सेमीकंडक्टर डिजाइनिंग व मैन्यूफैक्चरिंग क्षेत्र में भी अब तेजी से नए स्टार्टअप्स आ रहे हैं। खासकर सरकार की डिजाइन लिंक्ड इंसेंटिव (डीएलआइ) योजना की मदद से इस क्षेत्र में साल के अंत तक स्टार्टअप्स की संख्या 50 तक पहुंचने की उम्मीद है। इलेक्ट्रानिक्स व आइटी राज्यमंत्री राजीव चंद्रशेखर ने ट्वीट कर कहा कि भारतीय स्टार्टअप्स भविष्य के चिप की डिजाइनिंग में जुट गए हैं। उन्होंने कहा कि अभी सेमीकंडक्टर डिजाइनिंग व मैन्यूफैक्चरिंग से जुड़े 21 स्टार्टअप्स हैं। पिछले सप्ताह सेमीकान इंडिया फ्यूचर डिजाइन से जुड़ी डीएलआइ योजना के तहत चयनित स्टार्टअप्स की घोषणा की गई है।

राजीव चंद्रशेखर • फाइल फोटो

- सी-डैक इंडिया के साथ चिप-इन सेंटर बनाएगा आइटी मंत्रालय
- देश में जल्द ही एआइ डेटासेट कार्यक्रम भी शुरू किया जाएगा

2026 तक 55 अरब डालर का होगा सेमीकंडक्टर बाजार

नई दिल्ली, प्रेट्र: कंसल्टेंसी फर्म डेलाय इंडिया के अनुसार, भारत 5जी, सेमीकंडक्टर और चिप टेक्नोलाजी, लाइव स्पोर्ट्स में एक प्रमुख भागीदार के रूप में उभरने के लिए तैयार है। देश में 2025-2028 के दौरान बड़े पैमाने पर निजी नेटवर्क शुरू होने की संभावना है। ऐसे में 2026 तक भारत के सेमीकंडक्टर बाजार का आकार 55 अरब डालर तक पहुंच सकता है। डेलाय की एक रिपोर्ट के अनुसार, भारत के कुल सेमीकंडक्टर बाजार में तीन प्रमुख उद्योगों- स्मार्टफोन और वियरेबल्स, आटोमोटिव उपकरण और कंप्यूटिंग व डाटा स्टोरेज से 60 प्रतिशत से ज्यादा मांग आएगी। बढ़ती मांग के साथ भारतीय उद्योग वैश्विक मूल्य श्रृंखाल को बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा और 2030 तक यह क्षेत्र छह लाख लोगों के लिए रोजगार सृजित करेगा। डेलाय इंडिया में पार्टनर पीएन सुदर्शन ने कहा कि पिछले दो वर्षों में सेमीकंडक्टर चिप की कमी ने इस उद्योग के महत्व को और बढ़ा दिया है।

डीएलआइ योजना का उद्देश्य पांच साल के दौरान इंटीग्रेटेड सर्किट (आइसी), चिपसेट, सिस्टम आन चिप्स (एसओसी), सिस्टम और आइपी कोर व सेमीकंडक्टर से जुड़े डिजाइन, डिजाइनों के विकास और उपयोग के विभिन्न चरणों में वित्तीय प्रोत्साहन के साथ-साथ डिजाइन इंफ्रास्ट्रक्चर तैयार करने में मदद करना है। इलेक्ट्रानिक्स व आइटी मंत्रालय ने सी-डैक इंडिया में चिप-इन सेंटर शुरू करने जा रहा है, जो देश के फैबलेस चिप डिजाइनरों को सेमीकंडक्टर डिजाइन टूल्स, फैब तक पहुंच, वर्चुअल प्रोटोटाइप एचडब्ल्यू लैब पहुंच प्रदान करने के लिए वन स्टाप सेंटर के रूप में कार्य करेगा। भारत जल्द ही एआइ डेटासेट कार्यक्रम भी शुरू करने जा रहा है। चंद्रशेखर के मुताबिक, यह दुनिया का सबसे बड़ा डेटासेट कार्यक्रम होगा जो इंटेलिजेंट कंप्यूट, एआइ कंप्यूट, डिवाइस और सिस्टम डिजाइन इकोसिस्टम को उत्प्रेरित करेगा।

नवाचार को प्रोत्साहित करने के लिए बनेगा आइएसआरसी: आइटी मंत्रालय के मुताबिक, भारत में सेमीकंडक्टर नवाचार इकोसिस्टम के प्रोत्साहन के लिए जल्द ही एक निजी उद्योग आधारित अनुसंधान केंद्र इंडिया सेमीकंडक्टर रिसर्च सेंटर (आइएसआरसी) शुरू किया जाएगा। सेमीकंडक्टर प्रयोगशाला का आधुनिकीकरण किया जा रहा है और यह मुख्य रूप से रिसर्च फैब होगी। इसे आइएसआरसी के साथ स्थापित किया जाएगा। मंत्रालय का मानना है कि वैश्विक सेमीकान कंपनियां सेमीकान इंडिया फ्यूचर डिजाइन स्टार्टअप्स की क्षमताओं के माध्यम से सामान्य नवाचार से आगे के नवाचार करने की अपनी क्षमता को बढ़ा सकती हैं। हाल ही में सरकार ने सेमीकंडक्टर क्षेत्र में कुशल इंजीनियर्स की जरूरतों को देखते हुए अगले पांच साल में 85 हजार युवाओं को बीटेक, एमटेक व अन्य कौशल विकास कार्यक्रम के तहत तैयार करने की घोषणा की है।